भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या :1409
गुरुवार, 13 फरवरी, 2025 (24 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमान संपर्क सेवा का विस्तार

1409. श्री दिलीप शइकीया:
श्रीमती कमलेश जांगड़े:
श्री प्रवीण पटेल:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) सरकार की नवीनतम पहल 'उड़े देश का आम नागरिक' (उड़ान) योजना के उद्देश्यों से किस प्रकार संगति रखती है;
(ख) उड़ान योजना के अंतर्गत उड़ानें शुरू होने का उस क्षेत्र के पर्यटन और व्यावसायिक क्षेत्रों पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है; और
(ग) क्या सरकार का असम सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों में एलायंस एयर के नेटवर्क का और विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): देश में हवाई यात्रा को जनसाधारण के लिए किफायती बनाने, और असेवित एवं अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए, सरकार ने अक्टूबर, 2016 में क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य उड़ान बोली प्रक्रिया के दौरों के माध्यम से चिह्नित मौजूदा हवाई पट्टियों को 'असेवित और अल्पसेवित हवाई अड्डों के पुनरुद्धार' योजना के तहत विकास और उन्नयन के लिए टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क स्थापित करना है।

वर्ष 2016 में योजना के शुभारंभ के बाद से, 88 असेवित और अल्पसेवित हवाई अड्डों (13 हेलीपोर्ट और 02 वाटर एयरोड्रोम सहित) को जोड़ने वाले 619 आरसीएस मार्गों (53 पर्यटन आरसीएस मार्गों सहित) को आज तक चालू किया गया है और लगभग 2.96 लाख आरसीएस उड़ानों से 149 लाख से अधिक यात्री लाभान्वित हुए हैं।

(ख): राष्ट्रीय नागर विमानन नीति (एनसीएपी) 2016 में परिकल्पित आरसीएस उड़ान योजना में, मौजूदा हवाईपट्टियों और हवाईअड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से संपर्क प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। इस नीति के अनुसरण में, सरकार हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक बनाकर आम जनता तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम

उठा रही है, साथ ही यात्रियों के लिए सुरक्षित, संरक्षित, किफायती और संधारणीय हवाई यात्रा के साथ-साथ भारत और विश्व के विभिन्न हिस्सों में कार्गो का हवाई परिवहन उपलब्ध करा रही है और एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित कर रही है, जिससे नागर विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हो रहा है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, रोजगार में वृद्धि हो रही है और देश भर में संतुलित क्षेत्रीय विकास हो रहा है।

(ग): दिनांक 15 अप्रैल 1996 से अपने परिचालन की शुरुआत के बाद से एलाइंस एअर एविएशन लिमिटेड (एएएएल) उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में उड़ानें परिचालित कर रहा है। वर्तमान में, एलाइंस एअर एटीआर-72 और डोर्नियर डीओ-228 विमानों के साथ उत्तर पूर्व क्षेत्र के छह राज्यों अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में परिचालन कर रहा है। एलाइंस एअर असम में गुवाहाटी, जोरहाट, लीलाबारी, रूपसी और सिलचर हवाईअड्डों पर परिचालन कर रहा है।

इसके अलावा, उड़ान योजना के अंतर्गत, असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में एलाइंस एअर को 34 आरसीएस मार्ग अवार्ड किए गए हैं, जिनमें से 30 मार्ग चालू हो चुके हैं।

*****